हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 22 मई 2025, समय 1305 (5 मिनट)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज लाडवामें तिरंगा यात्रा की अगुवाई की। इस अवसर पर उन्होंने जन समूह को संबोधित करते हुएकहा कि पूरे देश में तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। यह तिरंगा यात्राएंकेवल आयोजन नहीं बल्कि राष्ट्रभक्ति के जज्बे और बलिदान की भावना को सच्चीश्रद्धांजलि देने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज सबके अंदर गौरव औरश्रद्धा समर्पण की भावना एक साथ उमड़ रही है। यह यात्रा हमारे संकल्प साहस औरस्वाभिमान की यात्रा है। यह यात्रा उन शूरवीरों के सम्मान की यात्रा है जिन्होंनेऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की अस्मिता भारत की रक्षा और भारत की प्रतिष्ठाको एक नई ऊंचाई देने का काम किया है। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ बस अड्डे से किया गया जो की लाडवा शहर के मुख्यमार्गो से होती हुई गुजरी।यात्रा में हजारों की संख्या में शहर वासियों ने भाग लिया कई जगह पर तिरंगायात्रा का फूल बरसाकर स्वागत किया गया।

****

****

आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से उत्साहित समग्र राष्ट्र भारतीय जवानों के शौर्य और साहस को नमन कर रहा है। सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता के रूप में आकाशवाणी समाचार विशेष श्रृंखला प्रसारित कर रहा है। इस कड़ी में आज हम परमवीर चक्र विजेता सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल का स्मरण कर रहे हैं, जिन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया था।

1950 में पुणे, महाराष्ट्र में जन्मे सेकेण्ड लेफ्टिनेंट अरूण खेत्रपाल को जून 1971 में पूना होर्स रेजीमेंट में नियुक्त किया गया। मात्र 21 वर्ष की आयु में उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान बेमिसाल साहस का परिचय दिया। 16 दिसंबर 1971 को दुश्मन ने धूएं के परदे की आड में सकरगट सेक्टर में खेत्रपाल को निशाना बनाकर जवाबी हमला किया। सेकेण्ड लेफ्टिनेंट अरूण खेत्रपाल अपने सैनिकों के साथ स्क्वाड्रनके करीब दो टैंकों में तैनात थे। उन्होंने आह्वान का जवाब दिया और दुश्मन के हमले का सामना करने के लिए आगे बढ़े। सैनिकों पर दुश्मन ने भारी गोलीबारी की। सेकेण्ड लेफ्टिनेंट अरूण खेत्रपाल ने दुश्मन के उन ठिकानों पर जमकर हमला किया । रक्षा चुनौती को पार किया और कई दुश्मन सैनिकों को पकड लिया। हमले के दौरान उनके दूसरे टैंक के कमांडर की मौत हो गई और वे अकेले रह गए। लेकिन उन्होंने दुश्मनों पर तक तब तक अकेले ही हमला जारी रखा था जब तक कि सभी दुश्मन के सभी ठिकानों पर कब्जा नहीं हो गया। फिर भी स्क्वाड्रन की ओर दौड़ते हुए उन्होंने एक दुश्मन टैंक को नष्ट कर दिया। दुश्मन के दूसरे हमले के दौरान इसके बाद भी भीषण टैंक युद्ध हुआ। दस दुश्मन टैंक नष्ट हो गए और उनमें से चार को सेकेंड लेफ्टिनेंट अरूण खेत्रपाल ने अकेले ही नष्ट कर दिया। उनके टैंक पर दुश्मन ने भारी गोलीबारी की और उसमें आग लग गई, लेकिन उन्होंने दुश्मन के टैंकों को नष्ट करना जारी रखा। उनके टैंक पर फिर से हमला हुआ और उन्होंने दुश्मन के उस इच्छित सफलता को वंचित करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। दुश्मन के सामने सबसे विशिष्ट वीरता के लिए सेकेण्ड लेफ्टिनेंट अरूण खेत्रपाल को 1972 में मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। राष्ट्र उन्हें नमन करता है। अनुपम मिश्र, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

****

हरियाणा के सहकारिता, कारागार एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कल रोहतक के गांव पहरावर में 45 लाख रुपये की लागत से दादा लखमीचंद पार्क के

सौंदर्यीकरण के कार्य का शिलान्यास किया।इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना की आत्मनिर्भरता उजागर हुई है और देश के दुश्मनों को भी पता चल गया कि अगर कोई हरकत की तो उनका नामो-निशान मिट जाएगा।उन्होंने कहा कि प्रदेश में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों को उनके देश वापिस भेजा जाएगा सरकार पूरी तरह से चौकस है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

डॉ अरविन्द शर्मा ने कहा कि 30 मई, को गांव पहरावर में मनाए जाने वाला भगवान परशुराम जन्मोत्सव ऐतिहासिक होगा और सर्व समाज के लोग इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे।

****

****

हरियाणा में कल शाम को चली तेज आंधी के कारण पानीपत के अर्जुन नगर निवासी एक 55 वर्षीय गीता नाम की महिला की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब वह स्कूटी से काम से घर लौट रही थी और तेज आंधी से एक निर्माणाधीन फैक्ट्री की तीन मंजिला शटरइंग उसके ऊपर गिर गई। वही आँधी से ज़िले में चार व्यक्ति घायल भी हो गए। हमारे संवाददाता ने बताया है कि इसके इलावा जिले में सैंकड़ों बिजली के खंभे और कई ट्रांसफार्मर गिर गए। जिले में विभिन्न स्थानों पर सैंकड़ों पेड़ टूट गए औऱ पेड़ गिरने से रास्ते अवरुद्ध हो गए। कई जगह पेड़ व बिजली के खंभे वाहनों पर भी गिर गए ।132 से 33 केवी सब स्टेशनों की लाइन ब्रेकडाउन होने से गांव से शहर तक ब्लैक आउट छा गया।बिजली कर्मचारियों की टीम देर रात तक टूटे तार व केवल को ठीक कर सप्लाई बहाल करने में लगी रही।